Title: Regarding the problems owing to closing down the polluting industries in Delhi and relocating them.

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष जी, प्रदूाण के नाम पर दिल्ली की लगभग 45,000 इंडस्ट्रीज को सील किया जा रहा है, लघु उद्योगों को, कुटीर उद्योगों को सील किया जा रहा है जिसके कारण दस लाख से ज्यादा मजदूर बेरोज़गार हो रहे हैं, यह रोज़ अखबारों में आ रहा है।

अध्यक्ष महोदय : आप कितनी बार इस मैटर को हाउस में रेज़ करेंगे?

श्री मदन लाल खुराना : मैं केवल तीन-चार मिनट लूंगा। â€¦(व्यवधान)

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक) : आप क्या चाहते हैं? आपकी सरकार ने यह सब कुछ किया है। आपने दोबारा इमरजेन्सी की हालत ला दी है। यह आग जगमोहन की नहीं, शीला दीक्षित की लगाई है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष जी, दिल्ली के इंडस्ट्री वालों से इंडस्ट्री को रजिस्टर्ड करने के लिए दिल्ली सरकार के उद्योग विभाग ने और िवद्युत विभाग ने पैसे लिए हैं और लोग दो-तीन सालों से किस्तों में पैसे जमा करा रहा हैं, कुछ लोगों ने पहली किस्त जमा कर दी है, कुछ लोगों ने दूसरी किस्त जमा कर दी है और दिल्ली की सरकार अब उनको यहां से हटा रही है, उनकी इकाइयों को बन्द कर रही है, उनकी इंडस्ट्रीज को सील कर रही है, ऐसा क्यों हो रहा है। कम से कम उन्हें बता तो दें कि उनकी क्या गलती है। जहां उनको भेजा जा रहा है वहां सड़कें नहीं बनी हैं वहां कोई आधारभूत सुविधाएं नहीं हैं, वहां वे कैसे जाएंगे और अपना उद्योग कैसे स्थापित करेंगे। इसलिए मेरा कहना है कि इंडस्ट्रीज को सील करने का जो काम किया जा रहा है वह तुरन्त बन्द होना चाहिए। दिल्ली की शीला दीक्षित सरकार इसके लिए जिम्मेदार है।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please note that many children are watching the proceedings from the Gallery. Please understand that the children are watching the proceedings.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Both Shri Sahib Singh and Shri Vijay Goel may associate with what Shri Khurana has said.

...(*Interruptions*)

श्री साहिब सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि जब मैं दिल्ली में मुख्य मंत्री था, उस समय ऐसी स्थिति पैदा हुई थी और 1996 में भी माननीय उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में सारी फैक्ट्रियों को बन्द करने का निर्देश दिया था। हमारी सरकार ने माननीय उच्चतम न्यायालय से प्रार्थना की थी कि हमें समय दिया जाए। हम इनको री-लोकेट करेंगेâ€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार की इंडस्ट्रीज को री-लोकेट करने की कार्रवाई का सुप्रीमकोर्ट ने भी स्वागत किया था और हमारी सराहना की थी। बाई नेम तारीफ की थी और कहा था कि दिल्ली सरकार इस दिशा में अच्छा काम कर रही है, लेकिन पिछले दो वर्ाों में दिल्ली की सरकार ने कुछ भी नहीं किया। अब सुप्रीमकोर्ट ने जो निर्देश दिए हैं वे दिल्ली सरकार की नाकामयाबी एवं नालायकी की वजह से दिए हैं। वर्तमान दिल्ली सरकार की नालायकी की वजह से आज उद्योगों की दिल्ली में ऐसी स्थिति पैदा हो गई है। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि शीला दीक्षित को इस्तीफा दे देना चाहिए। महोदय, इस बारे में मैं चाहता हूं कि यहां से दिल्ली सरकार को डायरैक्शन जाए।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि उद्योगों को बन्द करने की जो कार्रवाई चल रही है इसको देखते हुए जब मैंने दिल्ली के एस.डी.एम. से बात करनी चाही, तो उन्होंने साफ कह दिया कि हमें कोई बात नहीं करनी है। जब मैंने डी.एम. से बात करनी चाही, तो उन्होंने भी कह दिया कि हमें बात नहीं करनी है। आज स्थिति यह है कि दिल्ली सरकार का कोई अधिकारी सांसद से इस बारे में बात करने को तैयार नहीं है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि दिल्ली सरकार को बर्खास्त करना चाहिए। जो सरकार जनता की विरोधी है और लगातार आम जनता को परेशान कर रही है और उद्योगों को बन्द कर आम जनता को सड़क पर लाना चाहती है, उस सरकार को सरकार में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।â€¦(व्यवधान)

श्री लाल बिहारी तिवारी (पूर्वी दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, दिल्ली में इंडस्ट्रीज के बन्द होने से 18 से 20 हजार मजदूर जो उत्तर प्रदेश और बिहार से अपनी रोजी-रोटी कमाने आते हैं, वे बेकार हो जाएंगे और वे सड़कों पर आ जाएंगे।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Lal Bihari Tiwari, I have not called you to speak. Shri Vijay Goel, you may also associate with what Shri Khurana has said just now.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Uttamrao Dhikale, I have got your notice. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

श्री विजय गोयल : अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष का और श्री चन्द्र शेखर जी का भी ध्यान एक एक बिलकुल डिफरेंट पाइंट की ओर दिलाना चाहता हूं और वह यह है कि उच्चतम न्यायालय ने मान लीजिए कोई निर्देश दिया और उस निर्देश से काफी लोग परेशानी का अनुभव कर रहे हैं, तो क्या उस पर सुप्रीम कोर्ट को इस सदन की प्रतिक्रिया भेजी जा सकती है और जिन 13,000 लोगों ने दिल्ली सरकार को साहिब सिंह जी जब मुख्य मंत्री थे, तब एप्लाई किया था और जिन्होंने अपने को रजिस्टर्ड कराने के लिए फार्म भरे थे, जो पैसे जमा करवा रहे हैं और जिन्हें दिल्ली सरकार ने री-लोकेट करना था, दिल्ली में चाहे सरकार कांग्रेस की हो या किसी अन्य दल की हो, यहां पार्टी का सवाल नहीं है,â€¦(व्यवधान) आप हमेशा पालिटिक्स करते हैं।â€¦(व्यवधान)

मेरा सिर्फ यह कहना है कि उच्चतम न्यायालय की जो इंस्ट्रक्शन्स थी, वह दिल्ली सरकार के लिए थी। â€¦(व्यवधान)

श्री अवतार सिंह मडाना (मेरठ) : आप सबको वहां भेज दीजिए। â€¦(व्यवधान)

श्री विजय गोयल : जब आप बोलते हो तब मैं बीच में नहीं बोलता। मेरा कहना है कि उच्चतम न्यायालय ने â€¦(व्यवधान)

SHRI RAMESH CHENNITHALA (MAVELIKARA): Shri Vijay Goel, you may talk to Shri Jag Mohan and settle the issue. Why are you wasting the time of the House?...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the version of Shri Vijay Goel.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Shri Vijay Goel, please address the Chair. What is this?

श्री विजय गोयल : मेरा आर्गूमैंट तो सुन लीजिए। â€¦(व्यवधान) मैं सुप्रीम कोर्ट की बात कर रहा हूं। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: If you are not interested in the 'Zero Hour', I can also adjourn the House. What is this?

...(*Interruptions*)

श्री विजय गोयल : उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार को एक निर्देश दिया कि इनको रीलोकेट किया जाये लेकिन दिल्ली सरकार उनको रीलोकेट नहीं कर पाई। इसलिए उन्होंने कहा कि

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not interrupt him.

...(*Interruptions*)

श्री विजय गोयल : तब केन्द्र सरकार पिक्चर में आई थी। नहीं तो केन्द्र सरकार पिक्चर में नहीं थी। यह मामला पार्टी पोलिटिक्स का नहीं है। इसके अंदर हम सबको मिलकर चलना चाहिए कि किस तरीके से उन इंडस्ट्रीज को जिन्होंने कम से कम फार्म भर रखे थे, पैसा दे रखा था, उन इंडस्ट्रीज को रीलोकेट किया जाये। इसके साथ-साथ उच्चतम न्यायालय से अपील की जाये â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप एक ही समस्या को कितनी बार रेज करेंगे ?

...(व्यवधान)

***Not Recorded.**

श्री विजय गोयल : ये इंडस्ट्रीज जो बिना बात के हटाई जा रही हैं। â€¦(व्यवधान)

क्योंकि इनको रीलोकेशन के लिए दिल्ली सरकार ने जगह दी थी â€¦(व्यवधान) उन मजदूरों के बारे में जो मर रहे हैं â€¦(व्यवधान) àÉé SÉÉciÉÉ cÚÆ ÉÊBÉE उच्चतम न्यायालय कम से कम वह आदेश वापिस ले।

â€¦(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष महोदय, मारूति उद्योग के बारे में आप एक मीटिंग बुला लें। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This will not go on record.

*(Interruptions)**